महेश पब्लिक स्कूल, जोधपुर

कक्षा 9 मीरा–

प्रश्नों के उत्तर–

1. मीरा ने पद में हरि से पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है?

पहले पद में मीरा अपनी पीड़ा हरने की विनती करते हुए कहती है कि जिस प्रकार आप ने द्रौपदी की लाज रखी थी, गजराज को मगरमच्छ के मुख से बचाया तथा भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए नरसिंह का रूप लिया था, उसी तरह भक्त होने के नाते वे उन्हें भी सांसारिक संतापों से मुक्ति दिलाकर अपने चरणों में जगह देने का कष्ट करें।

2. मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है?

मीरा बाई ने श्री कृष्ण के रूप सौंदर्य का वर्णन करते हुए कहा कि उन्होंने पीले वस्त्र धारण किए है। जो उनकी शोभा को बढ़ा रहे है। श्री कृष्ण के मुकुट में मोर पंख सुशोभित है तथा गले में वैजयंती माला पहनी हुई है, जो उनके सौंदर्य में चार चाँद लगा रही है वे ग्वाल बाल के साथ मुरली बजाते हुए वृंदावन में गाय चरा रहे है।

3. मीरा बाई की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

मीरा बाई की भाषा में ब्रज, राजस्थानी और गुजराती तीनों का मिश्रण पाया जाता है। इसके अतिरिक्त खड़ी बोली का भी प्रयोग किया है तथा अनेक अलंकारों का सफल प्रयोग हुआ है। मीरा की भाषा मिश्री के समान मीठी है।

4. मीरा बाई श्री कृष्ण को पाने के लिए क्या–क्या करने को तैयार है?

मीरा श्री कृष्ण को पाने के लिए चाकर बनकर चाकरी करना चाहती है। वे उनके विहार लिए बाग लगाना चाहती है तथा वृंदावन की गलियों में घूम–घूमकर उनके गुण गाना चाहती है।

5. दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती है?

दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी करना चाहती है क्योंकि वे उनकी अनन्य भक्त है तथा उनमें उनका एकनिष्ठ विश्वास है। मीरा दिन–रात कृष्ण के आसपास रहना चाहती है। उनके दर्शन करना चाहती है तथा उनका स्मरण उनके गुणगान करना चाहती है।